

लिए आपने जो आशीर्वचन लिखा है, उससे मुझे बहुत प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है।
आशीर्वाद पुं. (तत्.) दे. आशीर्वचन।
आशीष स्त्री. (तत्.) दे. आशिष।
आशु पुं. (तत्.) शीघ्र अर्थात् सावन भादों में पकने वाला धान, आउस धान, साठी वि. तीव्र, तेज, त्वरित क्रि.वि. तेजी से, फौरन, तत्क्षण।
आशु-अनुवाद पुं. (तत्.) एक भाषा की सामग्री का मौखिक रूप से दूसरी भाषा में तत्काल रूपांतरण, मौखिक अनुवाद प्रयो. संसद में विभिन्न भाषा-भाषी संसद-सदस्यों के लिए आशु अनुवाद की व्यवस्था है।
आशुकवि पुं. (तत्.) वह कवि जो तत्क्षण कविता करता है प्रयो. प्रभाष जी अच्छे आशुकवि हैं जो किसी भी समय किसी भी विषय पर तत्काल कविता की रचना कर लेते हैं।
आशुकोपी वि. (तत्.) [आशु+कोपी] 1. तुरंत क्रोध करने वाला, फौरन गुस्सा करने वाला 2. जल्दी नाराज़ होने वाला, तुनक मिज़ाज।
आशुगामी वि. (तत्.) तेज चलनेवाला, तीव्रगामी पुं. सूर्य।
आशुतोष वि. (तत्.) शीघ्र संतुष्ट होनेवाला, जल्दी प्रसन्न होने वाला पुं. शिव, महादेव।
आशुपरिकलक पुं. (तद्.) गणित की ऐसी पुस्तक जिस में विभिन्न प्रकार की सारणियाँ अंकित होती हैं, रेडी रेक्नर, गणितीय सारणियों की पुस्तिका।
आशुपाती वि. (तत्.) शीघ्र झड़ जाने वाला (अंग) जैसे- पोस्त का बाह्यदल पुंज जो फूल के खिलते ही झड़ जाता है।
आशुरचना स्त्री. (तत्.) तुरंत लिखी गई काव्यात्मक रचना, उपस्थित वातावरण पर लिखी गई तात्कालिक कविता अथवा व्यंग्य।
आशुलिपि स्त्री. (तत्.) निर्धारित सरल लिपि चिह्नों पर आधारित शीघ्र लिपि, बोलने की गति से ही लिखना संभव बनाने वाली लिपि ।

आशुलिपिक पुं. (तत्.) बोलने की गति से ही लिखने वाला, आशुलिपि का जानकार।
आशुव्रीहि पुं. (तत्.) एक धान जो जल्दी पक जाता है, साठी, आऊस।
आशोधन पुं. (तत्.) लिखित अथवा मुखरित पाठ में संशोधन का कार्य, सुधार, इस्लाह।
आशोन्मुख वि. (तत्.) 1. अपनी आशा पूरी कराने के लिए बहुत प्रयास करने वाला 2. आशापूर्ति के लिए ओरों की सहायता की अपेक्षा करने वाला।
आशोषण पुं. (तत्.) पूरी तरह सुखाने या सोख लेने का काम।
आशौच पुं. (तत्.) शुद्धिपर्यंत, शौचपर्यंत।
आश्चर्य पुं. (तत्.) अचंभा, विस्मय, हैरानी, अचरज वि. अद्भुत, विस्मयपूर्ण।
आश्चर्यचकित वि. (तत्.) आश्चर्य से अभिभूत, अत्यंत चकित, बहुत हैरान, विस्मित।
आश्चर्यपूर्ण वि. (तत्.) विस्मयकारी, हैरान करने वाला।
आश्चर्यित वि. (तत्.) विस्मित, चकित, हैरान, आश्चर्य चकित।
आश्म वि. (तत्.) पत्थर का बना हुआ।
आश्मन वि. (तत्.) दे. आश्म पुं. (तत्.) सूर्य का सारथी अरुण।
आश्मरिक वि. (तत्.) पथरी रोग से ग्रस्त, अश्मरी पुं. अश्मरी रोग।
आश्मिक वि. (तत्.) 1. पत्थर ढोने वाला 2. प्रस्तर-निर्मित।
आश्मिकी स्त्री. (तत्.) भूवि. विज्ञान की वह शाखा, जिसमें शैलों और पत्थरों का अध्ययन किया जाता है शैलों और पत्थरों का शास्त्र।
आशयान वि. (तत्.) जो जमकर ठोस हो गया हो, कुछ-कुछ सूखा हुआ।